अविरल

ज्ञानधारा

वार्षिक पत्रिका

2025-26

राजकीय स्नातक महाविद्यालय

चिंतपुर्णी जिला ऊना (हि.प्र.)

WELCOME

GOVT. DEGREE COLLEGE CHINTPURNI
on the occasion of
DISTRIBUTION
March 2026
GUEST

CSCA

CORRUPTION FREE INDIA CAMPAIGN

GOVT COLLEGE CHINTPURNI

SAVE ENVIRONMENT
NO SMOKING

GPS Map Camera
Gangot, Himachal Pradesh, India
R42c+fh8, Gangot, Himachal Pradesh 177110, India
Lat 31.801061° Long 76.12072°
Monday, 15/12/2025 01:55 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camer
Gangot, Himachal Pradesh, India
R42c+fh8, Gangot, Himachal Pradesh 177110, India
Lat 31.801041° Long 76.120734°
Monday, 15/12/2025 01:56 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camer
Gangot, Himachal Pradesh, India
R42c+fh8, Gangot, Himachal Pradesh 177110, India
Lat 31.801192° Long 76.120538°
Monday, 29/12/2025 12:42 PM GMT +05:30

International
Women's Day

महाविद्यालय वार्षिक पत्रिका का विवरण

1.	प्रकाशन स्थान	:	राजकीय महाविद्यालय, चिन्तपुरनी
2.	प्रकाशन की आवर्तिता	:	वार्षिक
3.	प्रकाशक का नाम	:	डॉ. संजय सहगल
4.	पता	:	प्राचार्य, राजकीय स्नातक महाविद्यालय चिन्तपुरनी, हि.प्र.
5.	सम्पादक का नाम	:	डॉ. ज्योति शर्मा (हिंदी विभाग),
6.	राष्ट्रीयता	:	भारतीय
7.	मुद्रण का स्थान	:	कमल स्टेशनरी मार्ट, ढलियारा
8.	स्वामित्व	:	राजकीय स्नातक महाविद्यालय, चिन्तपुरनी।

मैं डॉ. संजय सहगल एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार उपर्युक्त विवरण सही है।

प्राचार्य

नोटः- रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। यह आवश्यक नहीं कि सम्पादक मण्डल या मुद्रक उनसे सहमत ही हो।

Dr. Amarjeet K. Sharma
Director (Higher Education)

Directorate of Higher Education
Himachal Pradesh
Shimla - 171001
Tel. :0177-2656621 Fax : 0177-2811347
E-mail : dhe-sml-hp@gov.in

Message

It gives me immense pleasure to know that Government Degree College Chintpurni, District Una is bringing out its second publication of the College Magazine for the session 2025-26. The purpose of Education is to open the horizons for the young minds to polish them in such a way that they become the trust worthy and responsible citizen of India.

The College Magazine reflects its achievement and accomplishments in its curricular and extracurricular domains. It provides a platform for every student to develop his learning skills.

A College Magazine is a mirror of college life. It reflects the literary, educational and sports activities going on in the college. It projects the important events celebrated in the college during a certain month or year. The magazine prepares the students for their future. It gives them training in concentration of thoughts, ideas and all over development.

I congratulate Principal, all the contributors and the Editorial Board for brining out such an outstanding Magazine.

I wish your College, all the best and grand success to the College Magazine.

Jai Hind

प्रिय विद्यार्थियो

सप्रेम नमस्कार

मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि चितंपूर्णी महाविद्यालय अपनी पत्रिका अविरल ज्ञान धारा के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है । महाविद्यालय पत्रिका नव युवाओं को अपनी सृजनशील प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रस्तुत करती है । राजकीय महाविद्यालय चिंतपूर्णी हमारे विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा का प्रचार प्रसार कर रहा है और किसी भी छात्र के विद्यार्थी जीवन में महाविद्यालय की पत्रिका में उसका लेख छपना बहुत गर्व की बात होती है । मेरा सभी छात्रों से आग्रह है कि महाविघालय की पत्रिका में आप अपने लेख को प्रकाशित करने के लिए प्रयत्नशील रहें । विद्यार्थियों से मेरी अपेक्षा है कि शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपनी संस्था को भी गौरवान्वित करने का प्रयत्न करें ।

टापकी ऊर्जा और उत्साह हमारे देश के भविष्य को उज्जवल बनाएगा । शिक्षा ही हमारे जीवन का आधार है, इसलिए अपने अध्ययन में मन लगाएं । आपके सपने और लक्ष्य आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देंगें । जीवन में चुनौतियां आएंगी लेकिन हार ना मानें और आगे बढ़ते रहें । आपकी जिम्मेदारी है कि समाज को बेहतर बनाने में अपना योगदान दें ।

मैं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय सहगल, सभी संकाय सदस्यों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूं । मैं सभी विद्यार्थियों को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं देता हूं ।

आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं ।

शुभकामनाओं सहित

सुदर्शन सिंह बबलू

विधायक चिंतपूर्णी विधानसभा

डा. संजय सहगल
(प्राचार्य)
राजकीय महाविद्यालय, चिन्तपूर्णी
जिला ऊना हि. प्र.

"प्राचार्य संदेश"

शिक्षा वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर कर जीवन को नई दिशा प्रदान करता है,

प्रिय विद्यार्थियो,

आदरणीय शिक्षकगण व अविभावक गण, हमारे विद्यालय की वार्षिक पत्रिका के द्वितीय संस्करण के प्रकाशन अवसर पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व का अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, चिंतनशीलता और प्रतिभा का सजीव प्रतिबिंब है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना ही नहीं बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन, आत्मविशवास एवं सामाजिक उतरदायित्व की भावना का विकास करना भी है। हमारा महाविद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। शैक्षिणक उत्कृष्टता के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में भागीदारी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को समृद्ध बनाती है। इस पत्रिका में संकलित लेख, कवितायें, विचार एवं रचनाएं विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति और मेहनत का प्रमाण है। मैं सभी छात्र-छात्राओं, संपादकीय मंडल एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी अपने ज्ञान, परिश्रम और सकारात्मक सोच के बल पर जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा राष्ट्र निमार्ण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। आप सभी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाओं सहित

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय चिंतपूर्णी

अविरल ज्ञान–धारा

2025-26

हिन्दी अनुभाग

आचार्या सम्पादक

डॉ ज्योति शर्मा (हिन्दी विभाग)

विद्यार्थी सम्पादक

महक, बी.ए. तृतीय वर्ष

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो, आदरणीय सहकर्मी गण एवं पाठकवृंद

राजकीय महाविद्यालय चिंतपूर्णी की वार्षिक पत्रिका का यह नवीन अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है । यह पत्रिका हमारे विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा, वैचारिक परिपक्वता और सांस्कृतिक समद्धि का सजीव दस्तावेज है । महाविद्यालय केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का केन्द्र नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला भी है । यहां विद्यार्थियों को अपनी अभिव्यक्ति, चिंतन और रचनात्मकता को विकसित करने के विविध अवसर प्रदान किए जाते हैं । इस पत्रिका में संकलित कविताएं, लेख, कहानी एवं कलात्मक प्रस्तुतियां विद्यार्थियों की इस सृजनशील चेतना का प्रमाण हैं । मैं उन सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई देती हूं जिन्होंने उत्साह पूर्वक अपनी रचनाएं प्रेषित की साथ ही संपादकीय समिति एवं सहयोगी अध्यापकों का विशेष आभार जिनके समर्पण और परिश्रम से यह अंक सफलतापूर्वक प्रकाशित हो सका । आशा है कि यह पत्रिका न केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम बनेगी बल्कि पाठकों को सकारात्मक चिंतन और नव प्रेरणा भी प्रदान करेगी । आप सभी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाओं सहित सादर

डॉ ज्योति शर्मा

संपादक

राजकीय महाविद्यालय चिन्तपूर्णी

विद्यार्थी सम्पादकीय

यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे कालेज की वार्षिक पत्रिका का विमोचन हो रहा है । यह पत्रिका केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और रचनात्मकता का सुंदर प्रतिबिंब है । इस पत्रिका में विद्यार्थियों की कविताएं, कहानियां, लेख और अन्य रचनाएं शामिल हैं, जो उनकी सोच और कल्पनाशक्ति को दर्शाती है । यह पत्रिका हमारे महाविद्यालय की सृजनात्मक चेतना और युवा ऊर्जा का सजीव दर्पण है । यह पत्रिका आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने यही हमारी कामना है । हम आशा करते हैं कि यह प्रयास भविष्य में और ऊंचाइयों को छूएगा । मैं अपनी प्राध्यापिका डॉ. ज्योति शर्मा का दिल से धन्यवाद करना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे संपादकीय कार्य के लिए चुना ।

"यह केवल अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की उड़ान है ।"

यह पत्रिका हमारी पहचान, हमारी सोच, हमारी शक्ति और हमारी दिशा है ।

आशा है कि आपको यह पत्रिका पसंद आएगी ।

महक

बी.ए. तृतीय वर्ष

फैशन की दुनिया में खोए लोग

आज के जमाने में फैशन का मतलब है – "कंफर्ट भूल जाओ, बस स्टाइल दिखाओ !" लोग अब ये नहीं सोचते कि कपड़ा अच्छा है या नहीं, बस ये देखना है कि इंस्टाग्राम पर लाइक कितने आएगें ! पहले लोग फटे कपड़े सिलवाने के लिए दर्जी के पास जाते थे, अब लोग हजारों रूपये खर्च करके जानबूझकर फटी जीन्स खरीदते हैं । अगर कोई बोले, "भाई, तेरी जीन्स फट गई है !" ते जवाब आता है – "थैंक यू ये तो डिजाइनर हैं । लड़कियाँ अब सर्दियों में भी स्लीवलेस और गर्मियों में फुल जैकेट पहनती हैं – मौसम की नहीं, फैशन की सुननी है । फैशन पर सबसे बड़ा असर सोशल मीडिया ने डाला है । अब लोग खाना खाने से पहले फोटो लेते हैं, कपड़े पहनने से पहले रिव्यू लेते हैं, और घूमने जाने से पहले लोकेशन टैग सोचते है । अब तो हालात ये है कि अगर किसी की नई ड्रेस की तारीफ ना करो तो वो सीधा कह देता है – तुम्हारी नजर खराब है । आज के जमाने में "सच्ची खुबसूरती" नहीं, "फिल्टर वाली खूबसूरती" ही असली पहचान बन गई है ।

तनवी

बी.ए. तृतीय वर्ष

आलस मेरा सबसे अच्छा दोस्त

कहते हैं मेहनत सफलता की चाबी है पर मुझे तो लगता है आलस आराम की रानी है । सुबह उठने का अर्लाम बजता है, पर मैं सोचती हूँ "पांच मिन्ट और" वो पांच मिनट ऐसे बढ़ते हैं जैसे छूट्टियों खत्म ही नहीं होती । माँ चिल्लाती है जल्दी उठो, कॉलेज जाना है । पर मैं बहाना लगाती हूँ कि ऑनलाइन क्लास है, नेट नहीं चल रहा । पढ़ाई करने बैठो तो मोबाइल बुलाता है – थोड़ा रील देख लो, फिर पढ़ लेना । और जब तक पढ़ने का मन बने, तब तक नींद हावीं हो जाती है । आलस ऐसा दोस्त है जो कभी धोखा नहीं देता, हर काम कल पर टाल देता है । पर सच कहूँ तो, आलस के बिना जिंदगी बड़ी तेज-तर्रार हो जाती है । थोड़ा सा आलस ही तो हमें आराम की फिलॉसफी सिखाता है ।

महक

बी.ए. तृतीय वर्ष

जलवायु परिवर्तन

समय के साथ-साथ जलवायु में तीव्र गति से परिवर्तन हो रहा है । यह एक जटिल समस्या है । जलवायु परिवर्तन आने वाले भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा मानी जा रही है । जलवायु परिवर्तन की सरल परिभाषा यह है कि ग्रीनहाऊस गैसों के मानव उत्सर्जन के कारण वैश्रिवक तापमान में वृद्धि होती हैं । पिछली शताब्दी में जीचाशम ईधन के बड़े पैमाने पर उपयोग के कारण वायुमंडलीय तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । ग्रीनहाऊस प्रभाव वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से वायुमंड़ल में उपस्थित गैंसे सूर्य से आने वाली उष्मा को अवशोषित कर अंतरिक्ष में जाने से रोकती हैं । यह प्रक्रिया पृथ्वी को रहने योग्य बनाती है, परन्तु कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाऊस उत्सर्जन में निरन्तर वृद्धि के कारण वैश्रिवक तापमान में बढऋने लगता है, इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का तापमान सामान्य स्तर से अधिक हो जाता है औश्र जलवायु में परिवर्तन आरंभ हो जाता है । मानव की गतिविधियां भी जलवायु को परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । अपने लाभ के लिए मनुष्य वनों की कटाई कर रहा है । पशुपालन में वृद्धि, बड़े पैमाने पर कृषि विस्तार मकान निर्माण के लिए लकड़ी का उपयोग यह सभी कारण जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहे है । पेड़ वायुमंडल से CO_2 को अवशोषित कर जलवायु को संतुलित रखते है । जिससे तापमान में स्थिरता बनी रहती है । किंतु वनो की कटाई के CO_2 की मात्रा बढ़ती है और पहले से संचित कार्बन भी वायुमंडल में मुक्त हो जाता है । कृषि का विस्तार वनों की कटाई का एक प्रमुख कारण है । जलवायु परिवर्तन के कारण केवल तापमान में वृद्धि ही नहीं होती, बल्कि वर्षा के पैटर्न में बदलाव, लू, बाढ़, सुखा, तूफान तथा बवडंर जैसी चरम मौसम घटनाएं भी बढ़ जाती हैं । इन खतरो को देखते हुए हमें उचित कदम उठाने चाहिए । सरकार को पर्यावरण के सरक्षंण के लिए प्रभावी अभियान चलाने चाहिए । साथ ही, अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और भू-तापीय ऊर्जा जैसे नवीनीकरण ऊर्जा स्त्रोतो को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, ताकि जीवाश्म इंधनों पर निर्भरता कम की जा सके औश्र पर्यावरण की रक्षा की जा सके ।

तम्मना

बी.ए. प्रथम वर्ष

एक इंसान को कैसा होना चाहिए

अगर सृष्टि की सर्वोच्च प्रजाति इंसान है तो हमें कैसा होना चाहिए । इंसान का सबसे बड़ा आदर्श इंसानियत हैं अगर हम में इंसानियत है तो अमीर, गरीब, रंग, कद अन्य कई प्रकार के भेदों का कोई मूल्य नहीं रह जाता है । इंसानियत क्या है यह सभी इंसानो के प्रति समानता, करूणा और सहानुभूति का भाव है दूसरों की मदद करने और उनकी भलाई के लिए काम करने की भावना है । मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म ही इंसानियत है । जिसके पास इंसानियत है वह खुश भी रहता है और उसके पास आंतरिक शांति भी होती है । जिन मनुष्यों के पास इंसानियत का अभाव है वह ना खुद खुश है ना दुसरों को खुश देखना चाहता है । और ऐसे मनुष्यों से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है । मैनें देखा है लोगों को सच्चाई का पाठ पढ़ाते हुए अच्छे बुरे की समझ करवाते हुए । मैनें कभी उन इंसानो को उनके खुद के अंदर झांकते हुए नही देखा । मैंने कभी नही देखा कि जो आदर्श वह दुनियां को सीखा रहे है क्या वो आदर्श खुद उनके अंदर है क्या वो उन आदर्शो का पालन करते है या फिर अपने कटु वचनों से दूसरों को दुखी करके अच्छे बनने का नाटक करते हैं । कोई बदलाव या किसी भी बदलाव की शुरूआत हमेशा अपने अन्दर से होती है । इसलिए पहले खुद को बेहतर बनाएं और अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करवाएं ।

सलोनी

बी.ए. द्वितीय वर्ष

कहानी हसीन होनी चाहिए

किरदार चाहे जो भी हो कहानी हसीन होनी चाहिए
दिल में अच्छाई और आंखों में प्यार होना चाहिए
मायूसी में क्या रखा है जिंदगी तो गुलजार होनी चाहिए
सजते तो सभी है आजकल पर उसमें थोड़ी सादगी की
मिलावट भी होनी चाहिए
यूं तो सबकी जिंदगी का सफर आसान नही होता
जिंदगी जीने के लिए खुशमिजाज होना चाहिए
मिठास होंठों पर नहीं दिल में होनी चाहिए
लोग चाहे जैसा भी बर्ताव करें पर
आपके बर्ताव में संस्कार होना चाहिए
स्वार्थ से भरी इस दुनिया में थोड़ा निस्वार्थ भी होना चाहिए
किरदार चाहे जो भी हो कहानी हसीन होनी चाहिए

आंचल शर्मा

बी.कॉम तृतीय वर्ष

बेटी

जब-जब जन्म लेती है बेटी, खुशियां साथ लाती है बेटी ।
ईश्वर की सौगात है बेटी, सुबह की पहली किरण है बेटी ।
तारों की शीतल छाया है बेटी, आंगन की चिड़िया है बेटी ।
त्याग और सम्पर्ण सिखाती है बेटी, नये-नये रिश्ते बनाती है बेटी ।
जिस घर जाए उजाला लाती है बेटी, बार-बार याद आती है बेटी ।
बेटी की कीमत उनसे पूछो, जिनके पास नहीं है बेटी ।

दामिनी

बी.ए प्रथम वर्ष

हाय परीक्षा आई

खेल-कूद में दिन बीता, सोने में रात गंवाई ।
हाय परीक्षा आई हाय परीक्षा आई ।
अब क्या होगा रे भाई ।
आ जाती है हर वर्ष लाज तक इसे नहीं आती ।
जब से आती है आंखो से नींद चली जाती है ।
कोई ऐसा वीर नहीं, जो टोक सके इसको ।
स्कूल, कॉलेज में आने से रोक सके इसको ।
सब मरते है इसकी, अब तक मौत नहीं आई ।
हाय परीक्षा आई । अब क्या होगा रे भाई ।
डरते नहीं कभी हम बंदूकों, तलवारों से
डरते नहीं कभी हम शोलों अंगारों से ।
क्या कारण है किंतु समझ में बात नहीं आई,
नाम परीक्षा का सुन ही याद नानी आई ।
हार मानकर भागे इससे कितने बलदाई
डरते नहीं कभी हथियारों से,
हाय परीक्षा आई अब क्या होगा रे भाई ।
बिन बादल बरसात, रात भर बिजली से कड़के ।
ज्यों-ज्यों आये पास परीक्षा त्यों-त्यों दिल धड़के ।
बाथरूम में अब न फिल्म के गाने हम गाते ।
जो कुछ पढ़ा रात को, उसको ही है दुहराते ।
हाय परीक्षा आई । अब क्या होगा रे भाई ।

शिवानी

बी.ए. द्वितीय वर्ष

खुद को पहचानो : सफलता की असली शुरूआत

कॉलेज जीवन वह मोड़ है जहां हम सिर्फ किताबों से नही, बल्कि लोगों, अनुभवों और चुनौतियों से भी सीखते है । यह वह समय है जब हम अपने अंदर छुपी क्षमता को पहचानते हैं और समझते हैं कि असली ताकत हमारे मन और सोच में छिपी होती है । बहुत बार ऐसा होता है कि हम अपनी तुलना दूसरों से करते हैं किसी की पढ़ाई अच्छी है, किसी का आत्मविश्वास, किसी की नौकरी, किसी की लोकप्रियता । लेकिन सच्चाई यह है कि हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है । आपकी कहानी किसी और से मिलती-जुलती नहीं चाहिए, वह आपकी अपनी होनी चाहिए । दुनिया हमेशा आपकी क्षमताओं पर शक करेगी, लेकिन आपका विश्वास आपकी ढाल है । कई बार रास्ता कठिन लगेगा, लोग पीछे खींचने की कोशिश करेंगे और परिस्थितियां आपकी मेहनत को कमजोर दिखाएगीं । पर याद रखे हीरे अंधेरे में ही चमकना सीखते है । सफलता का राज यह नहीं कि आप कितने बड़े काम करते हैं बल्कि यह है कि आप रोज कितने छोटे कदम ईमानदारी से उठाते हैं । चाहे वह एक नई चीज सीखना हो, किसी डर से बाहर निकलना हो या किसी असफलता के बाद खुद को फिर खड़ा करना हर कदम मायने रखता है । हम जो समय बिताते है वो आने वाले जीवन की दिशा तय करता है । यही समय है जहां आप अपने सपनों को उड़ान देना शुरू करते है । इसलिए डरे नहीं, झिझकें नहीं गलतियां करें, सीखें, आगे बढ़े । अपने लक्ष्यों को पाने से पहले खुद को पाना जरूरी है । और जब आप यह समझ लेते है कि आप कौन है, क्या चाहते हैं, और क्यों मेहनत कर रहे हैं तब दुनियां की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती । आप अनोखें है, आप सक्षम है, और आप अपने भविष्य के निर्माता है । अपनें सपनों को छोटा मत समझो, आपकी मेहनत उन्हें सच करने की ताकत रखती है ।

पायल शर्मा

बी.ए. द्वितीय वर्ष

जीवन की अभिलाषा

मनुष्य को शरीर इसलिए मिला है कि वह अपने समय और जीवन को सफल बना सके । मनुष्य को अपनी सारी जिम्मेदारियों को समझते हुए उन जिम्मेदारियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, जिसके लिए उसे मनुष्य शरीर मिला है । अगर हम अपने जीवन में यह सोचकर चलें कि यह जो जीवन हमें मिला है यदि इसमें हम एक-एक कदम सोच-समझ कर आगे रखें तो आने वाले जीवन में बहुत सी जिम्मेदारियां और बहुत समस्याएं होते हुए भी हमें आनंद मिलेगा ।

एक छोटी सी कहानी है : एक बार एक राजा के पास बाहर देश के कुछ लोग आए और कहां कि हम आपके राज्य में रहना चाहतें हैं । हमें आपके राज्य में जगह दीजिए जहां हम अपना घर बना सकें । तो राजा ने कहा मैं एक उदाहरण देता हूँ दो गिलास दूध मंगवाया एक बड़े गिलास में और एक छोटे गिलास में । उन्होंने छोटे गिलास का दूध बड़े गिलास में डाला । बड़े गिलास में पहले से ही दूध था इसलिए दूध गिरने लगा । तो राजा ने कहा कि यही हालात हमारे राज्य के यहां पहले से ही जगह नहीं है । अगर आप लोग आ गए तो हम आपको कहां जगह देंगे, इसलिए यहां से चले जाएं । उनमें से एक व्यक्ति बहुत बुद्धिमान था उसने कहा अच्छा ठीक है । मैं आपके उत्तर देना चाहता हूं । उसने राजा से कहा कि एक गिलास दूध और चीनी मंगवाइए । उसने चीनी और दूध गिलास में डाली और घोल दी वह राजा से बोला, हम ऐसे हैं । हम आपके राज्य में चीनी की तरह घुल जायेंगे । और आ भी जायेंगे । मिठास बढ़ायेंगे । राजा को उस बुद्धिमान की बात समझ आ गई । राजा ने उनको वहां रहने की अनुमति दे दी । परिवार में भी कभी-कभी आपस में थोड़ी बहुत नोंक-झोंक होती रहती है । तो क्या घर के सभी सदस्य चीनी नहीं बन सकते , ताकि वह घर के माहौल में सबके लिए मिठास ला सकें । कड़वेपन के लिए तो सारी जिंदगी पड़ी है, परन्तु बेहतर यही होगा कि हम यह समय मिठास से, आनंद से और समझ से बिताएं ।

शिवानी

बी.ए. द्वितीय वर्ष

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा ना मिलया कोय ।

संत कबीर दास एक महान समाज सुधारक कवि थे । उनके दोहों में जीवन के असीम सत्य के दर्शन होते हैं । उन्होंने अपने दोहे 'बुरा जो देखन मैं चला बुरा ना मिलिया कोय' के माध्यम से कहा कि जब मैंने संसार में बुरे लोगों की खोज की तो कोई नहीं मिला अंततः अपनी अंतरात्मा मे झांकने पर इस संसार में मुझसे अधिक बुरा कोई नहीं था ।

इसी के साथ एक कथा है कि - बहुत समय पूर्व एक राजा था । उसे एक दिन यह ज्ञात हुआ कि उसके राज्य में एक ऐसा व्यक्ति रहता है जिसका यदि कोई मुख सुबह-सुबह देख ले तो उसे शाम तक भोजन प्राप्त नहीं होता है । तो राजा ने उस व्यक्ति को अपने महल आने का आदेश दिया । राजा ने उस व्यक्ति को अपने पास बुलाया, उसे अपने पास सुलाया । प्रातः होते ही दोनो उठे दोनों एक दूसरे का मुख देखा । दुर्भाग्यवश उस दिन राजा अपने कार्यों में इतने व्यस्त हो गए कि उन्हें शाम तक भोजन करने का अवसर प्राप्त नही हुआ अगले दिन राजा बहुत क्रोधित हुए । राजा ने उस व्यक्ति को फांसी पर चढ़ाने का आदेश दे दिया । उस व्यक्ति से जब आखिरी इच्छा पूछी गई तो उस व्यक्ति ने कहां 'हे राजन ! जब आपने मेरा मुख देखा तो आपको शाम तक भोजन नहीं मिला पर जब मैंने आपका मुख देखा मुझो तो फांसी मिल रही है ।" उस व्यक्ति की बात सुनकर राजा बहुत शर्मिंदा हुए । उस समय राजा को संत कबीर दास का यही दोहा स्मरण हुआ कि 'बुरा जो देखन मैं चला बुरा ना मिलिया कोय' इसलिए यह आवश्यक है कि हम दुसरों के अवगुणों को न देखकर आत्मचिंतन करने की प्रवृति का विकास करनाचाहिए ।

पलक देवी
बी.ए. प्रथम वर्ष

नशा मुक्त

रोकनी होगी नशे की आदत, सबको आगे है आना ।
नशा है एक बहुत बुरी लत, हमें नशा मुक्त भारत है बनाना ।
हम सबका है यही सपना, नशा मुक्त हो भारत अपना ।
जीवन में अगर स्वस्थ है रहना, तो नशे से हमें दूर है रहना ।
अब हम सबने यह है ठाना, नशे को जड़ से है मिटाना ।
छेश को आगे है बढ़ाना, नशे को है खत्म कराना ।

पलक देवी
बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रकृति

हरी ही हरी खेतो में बरस रही है बूंदें
खुशी-खुशी से आया सावन भर गया मेरा आंगन ।
ऐसा लग रहा है जैसे मन की कलियां खिल गयी जैसे
ऐसा ही आया बसंत लेके फूलों का जश्न ।
धूप से प्यासे मेरे तन को बूंदो ने दी ऐसी अंगड़ाई
कूद पड़ा मेरा तनमन लगता है ऐसे कि मै हू एक दामन ।
यह संसार है कितना सुंदर लेकिन लोग उतने अकलमंद
यळी है एक निवेदन न करो प्रकृति का शोषण ।

शिवानी
बी.ए. प्रथम वर्ष

आजादी के परवाने

दे दी मातृभूमि की खातिर कुर्बानी वीर जवानों ने
भगत सिंह का नाम था इन आजादी के दीवानो में
किशन के घर जन्म हुआ आजादी के परवाने का
आठ वर्ष की आयु में ही खौला खून दीवाने का
बंगा के इस वीर सपूत ने भारत बनाई थी
साईमन कमीशन वापिस जाओ, यह आवाज उठाई थी ।
लाला के संग जनता पर भी अंग्रेजों ने लाठी बरसाई ।
इस अपमान के बदले में ही सॉडर्स पर भी गोली चलाई ।
आया था फिर एक दिन ऐसा दुश्मन ने जब किया प्रहार
जलियांवाला बाग ही था वो, जहां हुआ था नर संहार ।
भड़का फिर इक आग का शोला, कोई उसको रोक न पाया ।
असैंबली हॉल मे दाखिल होकर उसने था तब बम गिराया ।
हुआ शाम को पुलिस हवाले संग था उसके आज इक टोला
इंकलाब - जिन्दाबाद जेल जाते था वह बोला ।
सन् इकतीस के मार्च महीनें सामाचार यह आया था ।
भारत माँ के इस सपूत को फांसी पर लटकाया था ।
कैसा था वह माँ का वीर बिजली थी या आग को गोला
सबसे मिलकर गाता रहता, मेरा रंग दे बसंती चोला ।

फूल कुमारी
बी.ए. प्रथम वर्ष

सकारात्मकता की शक्ति

जीवन में हर मनुष्य को सकारात्मक बने रहने का सकारात्मक सोचने का साहस होना चाहिए । ऐसा क्यों होता है कि जब जीवन में सब कुछ ठीक नहीं होता, तब भी हम कहते हैं कि सब बढ़िया है । साइकाथैरेपिस्ट और विख्यात लेखिका एमी मॉरिन लिखती है कि समाज में सकारात्मक बने रहना का बहुत अबाव है । जब किसी को लगता है कि उसकी बात सुनी गई है और वे अकेले नहीं है, तब इससे लोगो को चिंता और तनाव से निकलने में मदद मिलती है । लेकिन तनाव को उन लोगों के साथ जरा भी सांझा नहीं करना चाहिए जो आपके तनाव को कम करने के बजाए उसे और अधिक बढ़ा दें । तो अच्छा यही है कि उन्हीं से अपनी बातें साझा करें जो आपकी बातों को समझें और उसका हल करें । यदि हम सकारात्मक सोच रखेंगे तो उससे हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और मन शांत रहेगा ।

म्हक

बी.ए. तृतीय वर्ष

डिजिटल इंडिया

प्रगति की ओर भारत बढ़ता जा रहा है । 21 सदी में किसी भी देश की प्रगति उसके डिजिटल विकास पर निर्भर करती है । भारत सरकार ने इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2015 में डिथ्जटल इंडिया अभियान की शुरूआत की । इसका उद्देश्य है भारत को ऐसा राष्ट्र बनाना है जहां हर नागरिक तक तकनीक की पहुंच हो और हर काम ऑनलाइन के तरीके से हो सके । यह अभियान डिजिटल भारत की ओर बढ़ाता जा रहा है । डिजिटल इंडिया ने भारत में अनेक क्षेत्रों में क्रांति ला दी है । जैसे - शिक्षा क्षेत्र - अब हर काम ऑनलाइन की ताफ होता है ऑनलाइन कक्षाएं और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी ऑनलाइन का काम बहुत ज्यादा तेजी से प्रयोग होता जा रहा है । व्यापार और रोजगार में डिजिटल प्लेटफॉम ऑनलाइन के द्वारा प्रयोग किया जा रहा है । डिजिटल पेमेंट और बैंकिग और सरकारी सेवाएं भी ऑनलाइन ही की जा रही है । इस अभियान में कुछ चुनौतियां भी हैं । ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और तकनीकी साधनों की कमी । साइबर अपराध ओर डेटा सुरक्षा का खतरा । बहुत से लोगों को अभी डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता है । डिजिटल इंडिया ने भारत को आधुनिक और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में नया रास्ता दिखाया है । यदि हर नागरिक इस अभियान का हिस्सा बने और सरकार चुनौतियों का समाधान करें, तो आने वाले समय में भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल शक्ति बन सकता है । वास्तव में , डिजिटल इंडिया एक नए भारत का सपना है, जो हर दिन साकार होता जा रहा है ।

अदिति शर्मा

बी.कॉम. प्रथम वर्ष

जीत पक्की है

कुछ करना है तो डटकर चल थोड़ा दुनियां से हटकर चल
लक पर तो सभी चल लेते है कभी इतिहास को पलटकर चल
बिना काम के मुकाम कैसा बिना मेहनत के दाम कैसा
जब तक ना हासिल हो मंजिल तो राह में आराम कैसा ।
अर्जुन सा निशाना रख मन में ना कोई बहाना रख
जो लक्ष्य सामने है बस उसी पे अपना ठिकाना रख
सोच मत साकार कर अपने कर्मों से प्यार कर
मिलेगा तेरी मेहनत का फल किसी और का ना इंतजार कर
जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले हैं
जो करते रहे इंतजार उनकी जिंदगी में आज भी झमेले है ।

तनु

बी.ए. द्वितीय वर्ष

मैं बोझ नहीं हू

शाम हो गई अभी तो घूमने चलो न पापा
चलते-चलते थक गई कंधे पर बिठा लो ना पापा
अंधेरे से डर लगता है सीने से लगा लो ना पापा
मम्मा तो सो गई आप ही थपकी देकर सुलाओ ना पापा
स्कूल तो पूरी हो गई अब कॉलेज जाने दो ना पापा
पाल-पोस कर बड़ा किया अब जुदा तो मत करो ना पापा
अब डोली में बिठा ही दिया तो आंसू तो मत बहाओ ना पापा
आप की मुस्कुराहट अच्छी है एक बार मुस्कुराओ ना पापा
आप ने मेरी हर बात मानी एक बात और मान जाओ ना पापा
इस धरती पर बोझ नहीं मैं दुनियां को समझाओ न पापा ।

मोनिका देवी

बी.ए. द्वितीय वर्ष

कोशिश करने वालो की हार नहीं होती

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती
कोशिश करने वालो की हार नहीं होती ।
नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, बार-बार फिसलती है ।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है ।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती
कोशिश करने वालो की हार नहीं होती ।
डुबकियां सिधुं में गोताखोर लगाता है
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है ।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में ,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरीनी में ।
मुटठी उसकी खाली हर एक बार नहीं होती,
कोशिश करने वालो की हार नहीं होती ।
असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती
कोशिश करने वालो की हार नहीं होती ।

मोनिका देवी
बी.ए. द्वितीय वर्ष

एक सवाल

आओ पूछें एक सवाल, मेरे सिर पर कितने बाल
कितने आसमान मे तारे, बताओ या कह दो हारे ।
नदियां क्यों बहती दिन-रात, चिड़ियां क्या करती है
बता क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए, बिल्ली क्यों चूहे को खाए
फूल कहां से पाते रंग, रहते क्यों नहीं सब जीव संग
बादल क्यों बरसाते पानी, लड़के क्यों करते शैतानी
नानी की क्यों सिकुड़ी खाल, अजी न करो ऐसा सवाल
यह सब है ईश्वर की माया, इसको कौन है जान पाया ।

शिवानी
बी.ए. प्रथम वर्ष

संकल्प

दृढ़ है संकल्प तो विकल्प नहीं ढूंढना
निश्चय जब कर लिया संकल्प नही तोड़ना,
खुद पर विश्वास और मन में उमंग हो
कौशल के साथ अगर साहस का संग हो
तो किसी भी काम को अधर में नही छोड़ना
निश्चय जब कर लिया संकल्प नहीं तोड़ना
रात्रि एक दिन सुबह के साथ आएगी
अंधकार चीरकर प्रकाश साथ लाएगी
ठान लिया एक बार तो मुंह नहीं तू मोड़ना
निश्चय कर लिया .....
विचार को विचार कर, दृढ़ को दूलार कर
एक बार थामकर हाथ नहीं छोड़ना
निश्चय जब कर लिया .....
जीत के लिए तो संकल्प शुद्ध चाहिए,
आलस प्रमाद के विरूद्ध युद्ध चाहिए
हारकर किसी से तू हाथ नहीं मोड़ना
निश्चय जब कर लिया संकल्प नही तोड़ना ।

राधिका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

AVIRAL GYAN-DHARA

2025-26

ENGLISH SECTION

Staff Editor
Associate Prof. Ritu Jaswal
Department of English

Student Editor
Saloni
B.A. 1st Year

From The Desk of The Editor

The role of Editor, is really important for the publication of the college Magazine. First of all I would like to congratulate Principal, staff and students for the second publication of the college magazine. It is highly encouraging for the staff and students of Govt. Degree College Chintpurni stepping into more decent and graceful publication of the college magazine. As an Editor of the English section, I have tried my level best to include valuable articles, poems of the students of different classes by incorporating some weightful writing. I am also thankful to the Principal, staff and students for helping me in bringing out this valuable section of the college magazine. I am also hopeful that in the future also, we are able to publish such a magazine to reflect the creative quality of the students community

Haapy Reading

Ritu Jaswal
Associate Professor
Editor (English Section)

Dear Readers

It is my pleasure to introduce the second edition of the college Magazine. This magazine is a cumulation of the hard work and creativity of talented students. Students have shared their personal stories and reflection on how their background and identity shaped their world view. The magazine includes articles, essays and poetry that highlights different aspects of diversity. By embracing our differences and learning from each other, we can create a gracious and equitable campus. I want to extend my gratitude to respected, Principal, Editorial staff and contributors. Their dedication and hard work are evident on every page.

Saloni
Student Editor
B.A. 2nd Year

Great Thoughts

1. It is easy to hate but it is healthy to love.
2. A little learning is a dangerous thing.
3. A bad work man quarrels with his tools.
4. A child is not a vase to be filled, but a fire to be lit.
5. Life never seems to best way we can. There is no perfect life but we can fill it with perfect moments.

Meaning of student and Teacher

S- Self Control
T - Thirst of knowledge
U - Under Guidance
D - Devotion to education
E - Eager to learn
N - Nobility
T - Truth fulness

T - Truthfull
E - Excellent
A - Adorable
C - Caring
H - Helpful
E - Efficient
R - Remarkable

Shivani
B.A. 2nd year

Each Day Can Be A Good Day

Sometimes when things go wrong it is not easy for us to forget. The joy that we have experienced and the good fortune that we've met, The rough time becomes good time to cherish friends when we have known,. Of the favours that they've shown. To think of the fun-filled times we've spent, nice places that we've been of the beauty that life offers us time and again. A day when things go wrong don't give up rather embrace the memories and think of the joyous days. Live young Live free Live joyfully.

Neha
B.A. 3rd year

Great Quotes

"Take up one idea. Make that one idea your life think of it, dream of it, and live on that idea. Let the brain, muscles, nerve, every part of your body, be full of that idea, and just leave every other idea alone. This is the way to success" - **Swami Vivekanand**

"The people you meet in this life, all won't be good to you. Some will criticize, some will de-motivate and some will try to pull you down. All you have to do is ignore them and move on. You don't need to explain them your journey nor let them control your dreams. This is your life, live as you want". - **Ratan Tata**

"We need to find God, and He cannot be found in noise and restlessness. God is the friend of silence. See how nature - trees, flowers, grass - grows in silence; see the stars the moon, and the sun, how they move in silence. We need silence to be able to touch souls." **Mother Teresa**

"Man needs more difficulties because they are necessary to enjoy success. You have to dream before your dreams can come true. Be more dedicated to making solid achievements than to running after swift but synthetic happiness." **A.P.J. Abdul Kalam**

"Strength does not come from physical capacity It comes from an indomitable will. They cannot take away our self respect if we do not give it to them. There is no God higher then truth. Real creativity comes when people are free to make mistakes. When you are always supposed to do the right thing, the child in you dies.: - **Mahatma Gandhi**

Phool Kumari
B.A. 1st year

Nothing is Impossible

Impossible is a word only to be found in the dictionery of fools - **Napolean.**

Determination to succeed is the sure way to success. One who has a firm will modules the world as he desires. Constant efforts bring success in the long run. Success is not a matter of luck or genius. It entirely depends on systematic working adequate preparation and indomitable determination. Small men give up their efforts if they do not achieve success in the very first effort. While great men try again and again. Secret of success lies in these words - "Rome was not built in a day"

If one goes on trying again and again, his day of success is not far. The men who wins is the man who thinks, he can. All things are possible for him that believeth. All great men own the grandeur of their lives to their tremendous will power. "Where there is a will there is a way."

The history shown that many a time, a strong, earnest and determined soul has swayed the destiny of a nation.

Phool Kumari
B.A. 1st year

The Magic School Bag

One morning, I found something strange - my school bag was talking ! I couldn't believe it ! It said, please don't stuff me with more books ! I'm tired !" At first, I thought I was dreaming, but then it started zipping and unzipping on its own ! I asked, " Wait... Can you really talk ?" It replied, "Yes, and also your homework is still inside your drawer - not in me !" On the way to school, it complained non-stop. You never clean me, you drop me on the floor, and you never show your shacks ! I said "Okay okay, I'll clean you today !". It said, Good. I'll remind you every Monday. When I reached school, my bag started whispering during class, ae you sure you studied this chapter ? Even my teacher looked around and said, "Who's talking ?

It just smiled and said, maybe the wind. At home, I promised my bag a full cleaning and some rest on Sunday. It happily said,"Finally, A holiday for me too."

Mehak
B.A. 3rd year

The Power of Small Steps

College life is a journey filled with beginnings, tough challenges, unexpected lessons and beautiful memories. Every student walks through these corridors carrying dreams in their eyes and doubt in their minds. And that is completely okay. Because success is not about being perfect; it's about moving forward - one small step at a time. In today's world, pressure comes from everywhere academic, competition, family expectations and even social media. It often feels like everyone else is doing better. But the truth is simple comparisons kills confidence. Your only competition is you from yesterday.

What truly matters is not how fast you move, but how consistently you try. A small efforts today becomes progress tomorrow. A little discipline every day become a habit. And habits shapes your future.

Success doesn't come from one big moments; it comes from hundreds of small choices - choosing to study for an hour, choosing to stay disciplined, choosing not to give up. Even when things seem difficult, remember this : One extra attempt, one extra hour, one extra effort can change everything.

College is not just a pace to earn a degree. It is where you discover who you are - your strengths, your ambition, your values. It is where you learn that failure is not the end; It is simply a step towards improvement. Every challenge makes you stronger, every mistake teaches you something, and every triumph - big or small reminds you of your potential.

Payal Sharma
B.A. 2nd year

Impact of TV Habits on Reading

Television has become the most popular source of entertainment these days. Young children are fascinated by it. They are quite familiar with TV souls, serials their stars and the intricacies of their plots. The greatest casualty is of course loading. A study of the graph showing the time spent on watching TV and on reading amply supports my contention Twenty years ago a kid would spend 9 to 10 hours daily on reading. The number of hours devoted to reading have steadily declined and reached the pathetic figure of two hours a day. On the other hand, TV watching which occupied only two hours then now hold us captive for 8 to 10 hours per day. The need of the hour is to promote reading habits among students. A love for reading adventure stories, science fiction etc has to be cultivated. Children's magazines may help to develop and sustain their tastes. Parents must exercise restraint on themselves, They are role models for their children. They must read books instead of watching TV, thereby setting an example for their children.

Shagun Thakur
B.A. 1st year

Yes You Can

Why not now ? It's not tough !
Just needs a simple start without even thinking of it, Look how great is it !
You see now !
You're always getting into it, I told it was not very tough,
Try again and you'll see.... Everything in life is just easy.
All it takes is a simple start, Just start and always keep you smile.
Its your weapon, your heaven, Its all you need to carry on living, Look at what you've done !
Its your masterpiece that you have given life just carry on !
Yeah. It's you ! And sure you can !
So never let life's twists keep you on your back.
Be the knight, Be the candle's light.
Be what so ever can bring you delight, A one who is never afraid of the night.
And always challenges the fate, since he's ready to fight.

Ankita Kumari
B.A. 1st year

Environment Pollution

Environment means the natural condition (e.g. Land, air and water) in which we live. Pollution means making something dirty or impure, especially by adding harmful or unpleasant substances. Thus environmental pollution means making our land, air and water so dirty and impure that they become harmful for us. For example, we pollute our rivers with chemical wastes from factories. We pollute the air with smoke from our chimneys and automobiles. We pollute our atmosphere with the noise of horns and loudspeakers. It is estimated that the world needn't go in for the third world war for total extinction. If the present rate of environmental pollution continues, the 21st century will be the last one to be witnessed by man. It is a service not only to oneself but also to the entire humanity.

Manya
B.Com. 1st year

AVIRAL GIAN-DHARA

2025-26

PLANNING SECTION

Staff Editor

Dr. Vinod Kumar

Asstt. Prof. Commerce

Student Editor

Niharika Bhardwaj

B.Com. 3rd Year

Dear Readers

Without being able to express oneself, human being not complete. We do have our thoughts and democratic setup in our country that offer us full opportunity express them fruly and frankly. The main objective of the planning section is to display the student's literacy talent, enable them to express themselves through words help them to precise articles and develop artistic skills according to them.

Reading develops your brain provides a window into the world around you and help you to do better in all subject. Most importantly reading can not only help you become a better student but a better writer.

At last I extend heart full thanks to student's Editor Niharika Bhardwaj B.Com. 3rd year and all those who have contributed to make this effort a success.

I truly hope the pages that follow will make an intersting read. "The more that you read, the more things you will know. The more you learn the more places you will go"

Teacher Editor

Dr. Vinod Kumar

Asstt. Prof. (Commrece)

Student Editor

If you do build a great experience customers tell each other about that word of mouth is very powerful - Jeff Bezas

Respected Teachers,

First of all, I would like to express my gratitude to the Principal of my college, Dr. Sanjay Sehgal ji and the teacher editor of commerce section, Prof Vinod Kumar who considered me worthy of this and provided me the opportunity to express myself. I welcome you all the new edition of optimum student Magazine . The maximum aims to highlight some of the important issues the affect the business world its trade and commerce. This year the editorial board alone with articles, has focused to collect views of a large audience on topics like Budget and direct Tax, Paytm Issue, New Economics Policy of 1991, Demonetization boon a bane and many more with a lot of informative stuff the magazine also has fun sections for the readers. 'Abiral Gian Dhara' magazine is a step in this direction, the annual magazine is not just a collection of same articles, stories and poems, but is a mirror of all the activities throughout the year.

Niharika Bhardwaj

B.Com. 3rd year

International Business Management

With the globalisation and appreciable growth of the Indian economy, international business has got a tremendous boost. As they say, the world has now become a global village and there is increase in business trade among different trade among different countries. Faster communication transportation and financial facilities facilitate and accelerate the process of international business sector in India is estimated as more than 7% per profitable career opportunities in international business in terms of employment and entrepreneurial opportunities. International business or foreign trade includes both the export and import of goods and services i.e. all commercial transactions. Whether private or governmental. It is a well known fact that generally all countries. Wish to export less and less goods or services for obvious reasons of generating income for their country.

Kamakshi
B.Com 2nd year

Black Money

Black Money is the money on which income tax is not paid. This money is earned through corrupt practices and not declared fearing legal action. Black money is collected by corrupt officials, politicians, businessman, criminals, smugglers and any other individual trying to evade taxation. Black money is money that is earned illegally or through legal activity that is not reported to the government for tax purposes. Black money can lead to increased corruption. It can also reduce the negative impact of oppressive laws. To curb black money, the government has introduced income declaration scheme (IDS). The amount of money stolen by Indian in foreign banks is not known. The government has also taken other step to stop black money. To curb black money, the government had launched the IDS on June 1 and ended it on September 30, 2016. On 8 Nov. 2016 the govt. Of India announced the demonetization of all Rs. 500 and Rs. 1000 bank notes of the Mahatma Gandhi series. Prime Minister said that this decision would curtail the shadow economy, increase cashless transaction and reduce the use of illicit and counterfeit cash to fund illegal activity and terrorism.

Nidhi
B.Com 2nd year

Balance Sheet of Life

Our birth is our opening balance, Our death is our closing balance.
Our Prejudiced views are our liabilities, Our creative idea are our assets.
Heart is our current assets, Soil is our filled assets.
Brain is our fixed deposit, Thinking is our recurring deposit.
Achievements are our capital character, And moral our stock in trade.
Friends are our general reserve, Value and behavior are our goodwill.
Knowledge is our investment, Experience is our premium account.

Arpita Sharma
B.Com 3rd year

Digital Marketing and Social Media Strategy

Social media can be a powerful tool in digital marketing and social media strategy by helping businesses achieve various goals, such as increasing brand awareness, driving website traffic, generating leads, and fostering customer engagement. Here's how social media can contribute to a strong digital marketing strategy.

1. Brand Awareness & Visibility :- Platform like instagram, Facebook, Linkedln and Tik Tok allow businesses to showcase their brand personality.

2. Targeted Advertising :- Social media ads allow precise targeting based on demographics, interests, behavior and location.

3. Customer Engagement & Community Building :- Engaging content such as palls Q & as, live session and interactive posts foster direct conversations.

4. Customer Service & Reputation Management :- Brands can provide quick responses to customer queries through social media. Managing reviews and feedback helps build credibility.

5. Competitive Advantage & Trend Monitoring :- Monitoring competitors social strategies can help businesses stay ahead. Engaging in trending topics or challenges boots visibility.

6. Lead Generation & Sales :- Platforms offer features like shopable parts, lead farms, and CT as to convert followers into customers. Influence partnerships can drive trust and sales.

Anchal Sharma
B.Com 3rd year

Study of Consumer Behavior

Consumer behavior is the study of how individual customers, groups or organization select, buy, use and dispose ideas, and service to satisfy their needs and wants. It refers to the actions of the consumers in the marketplace and the underlying motives for those actions. Marketers expect that by understanding what causes the consumers to buy particular goods and services, they will be able to determine which products are needed in marketplace, which are obsolete, and how best to present the goods to the consumer. The study of consumers behavior assumes that the consumer are actors in the marketplace. The perspective of role theory assumes that consumers play various roles in the marketplace. Starting from the information provider, from the user to the payer and to the dispaser, consumers play these roles in the decision process.

A recent example of a change in consumer behavior is the eating habits of consumers the dramatically increased the demand for gluten free products. The Three Factor Are : Psychological factor, Personal Factors, Social Factors. Customer Versus Consumers : The turn customer is specific in terms of brand, comp, or shop, it refers to person who customarily or regularly purchase particular brand, purchases particular company's product, or purchase from particulars shop.

Whereas the consumer is a person who generally engages in the activities - search, select, use and dispose of products, services, experience, or ideas.

Aditi Sharma
B.Com 1st year

Poverty

Poverty is a condition where people lack basic needs like food, shelter, and clothing due to insufficient income or resources. It is a wide spread issue globally, affecting millions of individuals and families. Poverty can lead to malnutrition, poor health and limited access to education trapping people in a cycle of hardship. It's often accompanies by social exclusion and limited opportunities of advancement. Efforts to alleviate poverty include providing access to education, healthcare and employment opportunities, as well as implementing social welfare programs to support those in need. Despite these efforts poverty remains a persistent challenge in many parts of the world.

Palak Sharma
B.Com 1st Year

Green Economy

This year's budget announcements underlined the importance accorded to sustain ability and decarbonization goals by the government, implementation of clean air policy was under taken considering the challenges posed due to growing air pollution reported in the large cities. This would enable emisarion levels under check through an effective monitoring mechanism in place. However, despite there years into the launch of NCAR in 2019. Analysis of pollution level in targeted cities. A part from estimated of expenditure and revenue, the annual budget exercise provide direction to the economics policy measure and articulates major infinitives of environment, forest and climate change has been allocated Rs. 3030 crore, which is an annual increase of 5.6% over the budget allocation. This may be due to a change in the pending priorities of the government over the year considering the pandemic dictation. For climate change action plan, an outing of Rs. 30 crore has been made, which is he same as in the current fiscal where as Rs. 460 crore in the last budget. The scheme control of pollution has been conceptualized to provide financial assistance to pollution control boards and financing to national clean air programme. There is no mention of budget.

Sakshi Rana
B.Com 2nd Year

Economic Growth

Economic growth means an increase in quantity or quality of the many goods and services that people produce. The history of economic growth is therefore, the history of how societies lift widespread poverty behind. In places that have seen substantial economic growth, few now go without food, almost all have access to education, and parents rarely suffer the loss of a child. The work of historians shows this was not the case in the past. Similarly, the history of economic growth is also the history of how large global inequalities emerged in nutrition health, education, basis infrastructure and many other dimensions.

Aaina Bhatia
B.Com 2nd Year

De-globalization

De-globalization refers to the process in which countries reduce their economic political and cultural connections with the rest of the world. It is the opposite of globalization. In de-globalization, nations focus more on domestic production, local markets, and self-reliance rather than international trade and cooperation. In recent years, de-globalization has gained importance due to global events such as economic crises, trade wars, and the COVID-19 pandemic. Many countries realized on global supply chains. As a result, Govt. Started promoting local industries and imposing trade restrictions. Institution like the world trade organization have also faced challenges as countries prefer nation interest over free trade.

Bhawana
B.Com 2nd Year

कुड़ी कने मुंडुए च भेदभाव

बदला अपनी सोच कुड़ी कनै मुडुंए च मत करा कोई भेदभाव, देया तिना जो बराबरिया दा दर्जा । ऊंदा जालू मुंडू ता मनांदे बड़िया खुशियां, कने हुंदी जालू कुड़ी ता मनांदे बड़ा भारी दुख । अलग रूप ऐ, अलग रंग ऐ, जान दोना च ईक देई ऐ, फिरी कजो अहां भेदभाव दी खिंजियो लकीर । पूछा तिना जो जिना जो मिलदा नी बच्चे दा सुख, इक बच्चे जो पाणे दे वासते गवांदे सै किने पैसे । करा दिया कुड़ियां अजकल मुंडूंआ दी बराबरियां, कोई चला दिया ट्रका ता कोई उड़ादियां जहाजा । करदे असा सारे मिली के ऐ प्रण की भेदभाव उन कदी नी हुंगा शिक्षा कने अधिकार च दोना दा इक समान हक ऊंगा ।

महक
बी.ए. तृतीय वर्ष

माँ बाप रा प्यार

माँ बाप रा प्यार दुनिया रा अनमोल तोफा,
मेरे खातिर तिन्हा रे बिना अधूरा ये संसार
माँ रा आँचल कने बाप रा प्यार
कदी तिन्हा री झिड़का कने कदी तिन्हा रा दुलार
माँ देंदी मुश्किलाँ ने लड़ने री शक्ति फिर जबानी च
कठिनाईयों ने किया अहां पर वार
लड़ खड़ाये पैर मेरे पर संभली गये, मेरे ले या माँ बाप रा प्यार
माँ बाप हुंदे बच्चेया री शक्ति
कने माँ बाप रे बिना अधूरी अहाँ री शक्ति
सारेया जो नी मिलदा मा बाप रा प्यार,
मँ बाप रा प्यार दुनियां रा अनमोल तोहफा ।

तनु
बी.ए. द्वितीय वर्ष

पुराणे दिन याद आईगे

पुराणे दिन याद आई गे, पुराणे दिन याद आई गे
इतवारे वाले दिन देखनी रंगोली कने शक्तिमान,
लुकणे री खेला खेलनी कने रेड़ियो पर सुनने गाणे ।
पुराने दिन याद आई गे रोज पैदल स्कूला जाणा
कने मास्टरा ते खानी मार, गर्मियां च खडडा नहाना
कने बनना बडडे तैराक, पुराणे दिन याद आई गे ।
स्याणेयां ने बैठी ने सुननी कहानियां,
इक था राजा कने इक थी रानी दोनो मरी गे खत्म कहानी,
स्कूला जाना तां रपेईये लेने दो,
कने इक रपेइया री खानी टॉफियां चार,
पुराणे दिनां री आई गी याद ।

शिवानी
बी.ए. प्रथम वर्ष

छड़ हुण नी कमाणा

बापुए कमाई के कोठी पाई ऐश करदे अनजान, केई भाई कहदे छड़ हुण नी कमाणा बापू साढ़ा है सरकारी, हुक मारना साडया बौटा ताई सारी दुनिया पढ़ना पाई कहदे चौल दाल मिलि जांदे सस्ते ना आइ. आर.डी.पी बिच देणा लखाई ।
काजल कजो जोडदी तू पाई-पाई, तू भी उठ राजनीति ले हाथ अजमाई रौब ठाठ बाठ एथू पूरे, पंजा साला बाद पैन्शन पाई ।
छड़ हुण नी कमाणा तुपा सेकणी तुहाढे ताई काजल करे पर तुसां मत करदे मेरे ताईं ।

सलोनी
बी.ए. द्वितीय वर्ष

बदला अपनी सोच

बदला अपनी सोच कुड़ी कनै मुडुंए च मत करा कोई भेदभाव, देया तिना जो बराबरिया दा दर्जा । ऊंदा जालू मुंडू ता मनांदे बड़िया खुशियां, कने हुंदी जालू कुड़ी ता मनांदे बड़ा भारी दुख । अलग रूप ऐ, अलग रंग ऐ जान दोना च ईक देई ऐ, फिरी कजो अहां भेदभाव दी खिंजियो लकीर ऐ । पूछा तिना जो जिना जो मिलदा नी बच्चे दा सुख, इक बच्चे जो पाणे दे वासते गवांदे सै किने पैसे । कुड़ी मुंडूए ने ही इसा सृष्टि का दा चक्र ऐ चलदा, कुसी इकी दे बिना ता ऐ जीवन वी ऐ रूकी जांदा ।करा दिया कुड़ियां अजकल मुंडूंआ दी बराबरियां, कोई चला दिया ट्रका ता कोई उड़ादियां जहाजा । कुड़िया दा ऐ क्या सूर जेड़ी इसा दुनिया जो नी दिखी पांदी, मुडूए दी चाह च कन्या भ्रूण हत्या ए करवाई जांदी । करदे असा सारे मिली के ऐ प्रण की भेदभाव उन कदी नी हुंगा शिक्षा कने अधिकार च दोना दा इक समान हक ऊंगा ।

मोनिका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

लोका पूच्छणा

धोई लै मुंहे मली मली कैं लोका पुच्छणा छली छली कैं
मत्थे लिखेया कोई न मेसै न्यालू मुकदा बली बली कैं
जेहूड़ा दिल हिरखै नै भरेया सेहू तां मुकणा खली खली कैं
जे जिसदा सैहू तिस ही लैणा कैं किसी देणा जली जली कैं
सींका खादी जड नी भाली फला तां टिरना अली अली कैं
अपणे ही सौगी रहूणा सिखिए उड़दे पखेरू पली पली कैं
मिलेया जे सैहू होरीं जोगा बूटा दस्सदा फली फली कैं

राधिका
बी.ए. द्वितीय वर्ष

गूगल दा कमाल

आज दा बच्चा भी बड़ा बेमिसाल सारा गूगल दा कमाल
लिखना भी नी पोन्दा हूँन कोई भी सवाल
सारा गूगल दा कमाल, बच्चा बड़ा बेमिसाल
दिमाग च असर इन्हें पाया हुण न कर
पाया इसदा इस्तेमाल सारा कुछ गूगल पर ही मिलदा से जे
इस विच फसी गया हूँन नी निकली सकदा ।
गूगल भाई दा ता येही जाल आज दा बच्चा भी बड़ा बेमिसाल, सरा गूगल दा कमाल इसरी महिमा अपरंपार से जे गूगल चलानदा इक बार पैसे रा लेन देन होंदा बार-बार गूगल पे से होंदा मुनाफा हजारो बार । घरे कोई न टेम देंदा इसने जोड़या इक रिश्ता ये हर इक व्यस्त इस च आज दा बच्चा भी बड़ा बेमिसाल सारा गूगल दा कमाल फायदे बड़े सोगी नुकसान भी जानकारी सारे संसार री रखदा येही ता इसरी पहचान आज दा बच्चा भी बड़ा बेमिसाल सारा गूगल दा कमाल ।

थ्नधि
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

पहाड़ा रा जीणा

तूसां दा शहर असां छड़ी के आईगे,
आज बी असां जो बड़ी याद आऊदीं
पहले पहाड़ा च बड़ी ठंड हुआ थी,
हूण एथि वी चटकदी धूप पांऊंदी ।
पहले एथि घने-घने जंगल हुंआ थे,
पेड़ कटी के लोके बंजर कीतिया जमीना
बर्फा री चादर अंगना च आऊंदी थी,
हूण पौष लगा जेडा ज्येष्ठा री महीना ।
पहिले बड़े परिवार मिली जुली कने रहदे थे,
हूण करदे सब बखरा बसेरा
भटके राही जो कोई रीह नहीं दस्दे,
उलझी रा जीवन सभीणी रा घनेरा ।
पैदल अमां सौगी नानू रे घरा जा थे,
ळूण गडिया मोटरा री होई गई भरमार
आना-जाना रिश्तेदारियां कम होईगा,
फोना च पुछदे आज सारे समाचार ।
ऊना रे कोटा रा बड़ा था रिवाज, ताई पालदे थे
भेडा कने खाडू । दूरा ते बेटियां आंदी थी घरा पेडकी रे
मील्दे थे सारे साडू ते साडू ।
पुरानी फसला पुरानी गल्ला, पुराने माणु, खरा था पुराणा
रिवाज आज कोई एथां जो अदा, कोई उथा जो जहां
अपनी डुली कने अपना राग ।

आंचल
बी.कॉम. तृतीय वर्ष

असां बसी जाणा झिला दे पार

असां बसी जाणा झिला दे पार
ऐथी हुण जिऊ नी लगदा बाहरे लोके कालोनी बसाई ती
शहर वाली आफत असां जो पाई ती
छलिया दी रोटियां ते सरुआ दा साग वे
देसी खाना असां जो नी फबदा
माल पशु ऐथी हुण पालि नी सकदे
दुध घीऊ लोग ऐथी दूरा ते तकदे
ऐत्थी भूली जाणे अपने रिवाज वी
अपने खेत्रां रा फल नही मिली सकदा ।
धूल, धुआं कने लोका दी भीड वे
देखी कने मेरे धुआ सिर च पीड़ वे
ऐथी होई जाणा जीऊंणा बर्बाद वे
टैमा रा खाना ऐथी नही पकदा ।।

कामाक्षी
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

आसारी बोली पहाड़ी री पुकार

भाई एड़ा भी क्या होया ए ध्याड़ा दित्या दिखाई
प्हाड़ा री संस्कृति री पहचान ही दित्ती मुकाई
भोटी, किन्नौरी, कांगड़ी, चब्याली, मुहासवी, सिरमौरी
कने मंडयाली इना सारियां रा नाव हे दित्या मुकाई । कैसी भाषा ने मिंजो बैर नी, हर भाषा छेल हुई । पर अपणी जो होरा ते छोटा समझाना केथी री रीत हुई अंग्रेजी गाने मॉडनिटी, ते भ्यागड़े पुराणे हुए । पहाड़ी ग्लांदा ग्वार, ते अंग्रेजी री गाली मुहां री शोभा बढ़ाई ।
हर भाषा बोली सीखा पढ़ा ते बोला पर अपणी मत देंदे गवाई हर बोली री अपणी अहमियत होंदी
मेरे बगैर तुसा रा भी क्या वजूद रहंगा ओ भाई ।

अदिति
बी.कॉम. प्रथम वर्ष